! लढाई अस्तित्व की !

बंजारा समुदाय को अपनी पहचान बनाने के लिये , शिक्षा एव राजकीय स्तर पर बहुत जादा संघर्ष करना पडता है , यही संघर्ष की कहानी जो इस समुदाय से आपना नेत्रत्व कर रही रेणुका राठोड की है जो आपने समुदाय की महिला उपसरपंच बनी है ! राणी पिंटू राठोड जो सेवानगर तांडा कदेर ग्रामपंचायत में स्थित है ! इस गाव को 03 बंजारा तांडे जुडे है ! गाव में लगभग 1278 परिवार है जिनकी कुल जनसंख्या 5892 है ! गाव में अलग अलग समुदाय के लोग रहते है , किंतु गाव में जादा प्रभाव उच्च जाती का हि है ! राणी राठोड ये सेवानगर तांडासे है जहा 108 परिवार जिनकी कुल जनसंख्या 568 है ! यह तांडा गाव से 3 किलोमीटर के अंतर पे स्थित है ! इस तांडा में राणी राठोड की शादी पिंटू राठोड से हुई ! राणी राठोड की शादी से पहले 9 वी कक्षा तक हि पढाई हुई थी!

राणी एक मध्यम परिवार से है जिनके माता पिता मजदुरी का काम करते है राणी के परिवार कुल 06 सदस्य थे जिसमे राणी ओंर उनकी 03 बहनो थी , परिवार कि आर्थिक स्थिती अच्छी नही होनेसे सभी बहनोका 15 साल में ही बाल विवाह किया गया ! राणी को पढना था किंतु लडकियो की असुरक्षिता को लेकर इनकी कम उम्र में पिंटू राठोड जे शादी हो गई ! राणी को 02 लडके है जिनकी 6 ,ओर 07 साल है ! राणी के परिवार में उनकी सास भी थी 02 साल पहले उनका देहांत हुवा ! राणी को अपने सास कि बहुत जादा सहायता होती थी क्यो कि उनको सरकारी पेन्शन मिलती थी तो घर कों चलना थोडा आसान था कितु उनके बाद पेन्शन भी बंद हो गई ओर परिवार का खर्चा चलने में दिक्कत आने लगी ! पिंटू राठोड जीन्होने आपना पदवीधर (ग्राज्यूवेट) की शिक्षा पुरी की है किंतु जाब न होने के कारण से वे भी आपना परिवार चलाने में संघर्ष कर रहे थे ! पिंटू राठोड अपनी झेरॉक्स की दुकान से ही परिवार चलता है !, घर में पैसे को लेकर बार बार कलह होनेसे परिवार में तणाव रहता था ! राणी घर में ही रहकर अपने दोनो बच्चो को संभालती थी ! राणी को लगा की मुझे परिवार को सपोर्ट करना

चाहिये , कुछ काम करके पैसे जमा किये जाय लेकीन कम शिक्षा के कारण करने के लिये कुछ नही था! इस लिये उन्होने खेतमें मजदुरी का काम सुरु किया ओर अपने परिवार को सपोर्ट करना सुरु किया ! राणी सामर्थ्य संस्था के महिला बचत समूह के साथ जुडी ओर उनको अपने नेत्रत्व को आगे बढाने का रस्ता मिला !

सामर्थ्य संस्था के माध्यम से 2015 से 2018 तक NT/DNT समुदायका मुख्यप्रवाहकरण प्रकल्प चलाया गया था ! इस प्रकल्प का उद्देश यही था , कि समुदाय कों संघटीत करना ओर आपने हक्क अधिकार के प्रती जागरूक करना ! जिसमे समुदाय कि नागरिकता के दस्तावेज बने उनको भारतीय नागरिक होकर अपना व्यक्तिगत एव समुदाय के विकास में सहभाग बढे , इस प्रकल्प के दोरान समुदाय में से नेत्रत्वशील महिला एव पुरुष को तांडा विकास समिती के माध्यम से गटीत किया गया था ! उनको समुदाय के विकास हेतू विविध विषयो पर प्रशिक्षित किया गया ! जिससे समुदाय ग्रामपंचायत स्तर पर ग्रामसभा के माध्यम से अपने विकास कि बात कर पायेगे , इसका परिणाम यह रहा कि समुदाय से ग्रामपंचायत स्तर पर समुदाय का सहभाग बढा , राणी इसी प्रकिया से सामने आई जो इस तांडा विकास समिती कि सदस्य थी , सामर्थ्य के माध्यम से राणी को पंचायत राज ,एव नागरिक हक्क अधिकार जैसे विषयोपर प्रशिक्षित किया , राणी ने अपने तांडा के समस्या को ग्राम सभा के सामने रखना सुरु किया ओंर अपने तांडा के विकास प्रकिया में पहला कदम रखा ! सामर्थ्य के माध्यम से उमरगा तहसील के 15 बंजारा समुदाय का ग्रामपंचायत स्तर पर समुदाय का मुख्यधरा कि राजनीती में अच्छा सहभाग बढा है , समुदाय मे से पिचले 10 सालोमे 04 सरपंच एव 25 से जादा ग्रामपंचायत सदस्य चुनाव जीत कर आपने समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे है ! राणी कि कहानी से महिला नेत्र्तव कि प्रेरणा मिलती है !

राणी के माध्यम से बचत समूह की महिलाओ ने सेवानगर तांडा में चल रहे शराब के दुकान बंद करवाने के लिये

संघर्ष की या ओर तांडा में शराब की दुकाने बंद करवाई ! इस तरहसे राणी की नेत्रत्व की सुरुवात हुई ! वह महिला समूह में समन्वयक का कार्य करने लगी ! राणी के इस काम को देखते हुये पिंटू ने राणी की शिक्षा पुरा करने के लिये सपोर्ट किया ओर 12 वी तक की शिक्षा पुरी की ! राणी राठोड उमेद जो सरकारी उपक्रम हें उसमे कृषीसखी के माध्यम से कार्य सुरु किया ! समुदाय के लोगो को सरकारी योजना का लाभ मिलवाने हेतू सहायता करने लगी , राणी ने 25 से जादा लोगोको अलग अलग योजना का लाभ मिलनेमें सहायता की है ! समुदाय परिवर्तन कि चाह ने राणी को समुदाय के नेत्र्तव करने कि प्रेरणा समुदाय के लोगोसे मिली! 2019 के पंचायत चुनाव में उमीदवार के लिये नामांकित किया गया ! समुदाय से उन्हे पुरा समर्थन मिला, किंतु कदेर गाव के मुख्य राजनीतिक द्लोने 03 तांडासे उनका सपोर्ट करनेवाले उमेदवार को चुनाव में खडा किया ओर चुनाव का संघर्ष यहा से सुरु हुवा ! राणी जो निर्द्लीय उमेदवार थी , उसके विरोध में मुख्य गाव के उच्च जातीके लोगेने बंजारा समुदाय के उमेदार को पुरा सपोर्ट किया !

03 तांडा से समुदाय ने 02 पुरुष उमीदवार को बिना चुनाव लडे अविरोध चुनाव जीतवा दिया ! इस कारण से राणी की जीत बहुत महत्व पूर्ण थी इस कारण से चुनावा जादा संघर्षपूर्ण हो रहा था , क्यो की इन दोनो उमेदार में से जितनेवाला उमीदवार सत्ता की चाबी बनने वाला था ! चुनाव का दिन आय ओर वोटिंग सुरु हुई कुछ समय तक वोटिंग अच्छे से चली , राणी के विरोधी उमिदवार ने मतदाता को पैसे दे कर उनके चुनाव चिन्ह पे मतदान के लिये दबाब डालना सुरु किया ओंर इस कारण से दो गुटोमे संघर्ष झगडाभी हुवा , पुरा वातावरण तणावपूर्ण पूर्ण बना दिया गया ! पोलीस कीं मदत से ओर समुदाय के नेत्र्वतशील लोगोने समझा बुझाकर झगडा खत्म करवाया ! चुनाव की पुरी प्रकिया होने के बाद दुसरे दिन वोटिंग की गिनती सुरु की ओर हर पल दोनो उमीदवार काटेकी टक्कर से वोटोके फरक चे चल रहे थे , इस कारण से सभी में टेन्शन का वातावरण बड रहा था , कुछ समय के बाद चुनाव का

नतीजा आया जिसमे राणी को कुल 327 वोट मिले ओर विरोधी उमीदवार को 302 वोट मिले ,राणी को कुल 25 वोटोसे पंचायत चुनाव की जीत मिली . राणी के नुसार इस जीत के असली हक्कदार समुदाय के मतदाता ओर महिला बचत समूह की सभी सदस्य ओर संस्था के प्रतिनिधी है इस तरह की भावना व्यक्त करती है ! जीत के बाद राणी ओर इनके पती पिंटू राठोड के सन्मान हेतू का 03 तांडासे जीत का जन राली का आयोजन किया गया !

राणी के चुनाव जितने से मुख्य गाव के राजकीय समीकरण बदल गये ओर बंजारा समुदाय के 03 ग्रामपंचायत सदस्य सत्ता के मुख्य किंग मेकर बने ओर डीलिंग की पावर बने , समुदाय मुख्य गाव के 04 सदस्य के साथ मिलकर सत्ता की चाबी अपने हातोमे ली जिसमे राणी राठोड को उपसरपंच का पद मिला , यहा से राणी का राजकीय नेत्रत्व की सुरुवात हुई , अपने समुदाय का विकास करने हेतू अपने पद का उपयोग किया ओर तांडा को बेसिक सुविधा हेतू 03 तांडा में सिमेंट की पक्की सडक बनाई गयी जिसमे करिबन 15 लाख रु बजेट खर्च किया गया ! इस काम से तांडा के भीतर लोगो को आवागमन की सुविधा की ! समुदाय के लिये कम्युनिटी हॉल का भी (सेवा भवन) का निर्माण किया जिसमे 25 लाख रु का बजेट खर्च किया गया ! इसके साथ जल जीवन अभियान के माध्यमसे समुदाय की पानी की सुविधा का कार्य चल रहा है ! राणी के नेत्रत्व में समुदाय के लोगोको वैयक्तिक स्तर की योजना का लाभ मिला है ! जिसमे 02 लाभार्थी को प्रधानमंत्री आवास योजना में से मकान बनाये गये ! समुदाय में 7 वी कक्षा की लडकीयोको स्कूल दूर होने के कारण से भेजा नही जाता क्यो की उन्हे चलते जना होता है ! लडकियो की शिक्षा कों प्रमोट करने के लिये 09 लडकियो (किशोरीया) समाज कल्याण विभाग के द्वारा सायकील दि गयी ! इसके कारण से ये लडकीया आपनी शिक्षा को निरंतर कर पाई है !

सेवानगर तांडा में सोर उर्जा नल योजना के माध्यम से 05 सार्वजनिक ठिकानोमे नल योजना की गई है ! इस

चलते महिलाओ का श्रम कम हुवा है ,उन्हे पानी भरने हेतू दूर जाना होता था , इस योजना के माध्यम महिलाओ को घर के पास पानी मिला है ! राणी के नेत्रत्व में महिलाओ के लिये भी ग्रामपंचायत स्तर पर मासिक धर्म के इस्तमाल हेतू पॅड की मशीन को भी लगाय गया है , जिसमे कम पैसे में पॅड उपलब्ध किया गया है ! राणी का नेत्रत्व खुल कर सामने या ओर समुदाय के विकास में उनका बहुत हि महत्वपूर्ण रोल रहा ! मुख्य गाव में जाकर अपने समुदाय कि समस्या को बताना एव समुदाय की समस्या को सुविधा के रूप में लाना चाहती है ! बंजारा समुदाय 52 तांडा के माध्यम से मुख्य गाव से 3 से 4 किलोमीटर के अंतर में स्थित है ! जो मुख्य धारसे दूर है ! बंजारा समुदाय की आपनी एक भाषा ,वेशभूषा , संस्क्रती है जो अन्य समुदाय से काफी भिन्न है , समुदाय में शिक्षा का अभाव एव आजीविका के हेतू होनेवाला आवागमन , इस समुदाय की प्रगती को बाधा पोहचता है , समुदाय में अपनी रिती परंपरा , पित्रसत्ताक सोच एव जातपंचायत के कारण से महिला को लिंग आधारित भेदभाव के चलते संघर्ष पूर्ण जीवन जिना पडता है ! इस समुदाय में नशा का प्रमाण होनेसे महिलाओ पर होने वाली घरेलू हिंसा एक बडी समस्या है ! बंजारा समुदाय मुख्यगाव से दूर होने के कारण बेसिक सुविधा जैसे पानी , बिजली , सडक आदी के लिये आज भी संघर्ष कर रहा है ! राणी अपने नेत्रत्व को आगे बढाना चाहती है , 03 तांडा का नेत्रत्व करके अपना आत्मविश्वास बढा पाई है ,उसे लगता है की वह पंचायत समिती एव जिल्हा परिषद जैसी ठीकाणो पे नेत्रत्व कर समुदाय को राजकीय नेत्रत्व की राह पर ला सक्ती है ! राणी को आगे चलकर मुख्यधारावाली राजनीती में अपना नेत्त्रव स्थापित करना है ! उनको हमारी शुभ कामनाये !